BEYOND THE CLOUD: WHY CONNECTIVITY IS BECOMING A STRATEGIC PRIORITY

Cloud adoption has transformed how enterprises operate, but as workloads move to SaaS, IaaS and PaaS environments, another consideration is becoming increasingly important: how reliably businesses connect to the cloud.

For many organisations, cloud access continues to depend on the public Internet. While it offers flexibility and broad reach, it can also introduce variable latency, unpredictable performance and limited visibility into how data moves between users, networks and cloud platforms. For businesscritical applications, these factors can have a direct impact on productivity and user experience.

The shift towards direct cloud connectivity is therefore gaining attention. Establishing private connections between enterprise networks and cloud providers can reduce unnecessary Internet hops and provide greater predictability in performance, latency and availability. It can also give organisations greater control over how critical data travels across their digital infrastructure.

This becomes particularly relevant as enterprises adopt multi-cloud strategies. Connecting independently to multiple cloud providers can add complexity to network architecture and operations. Neutral interconnection platforms offer an alternative by providing access to multiple cloud environments through a common connectivity ecosystem.

DE-CIX India, India's Largest Inter-Connection Platform (www.de-cix.in) is addressing this requirement through **DirectCLOUD**, its direct cloud connectivity service, which enables enterprises to establish private, SLA-backed connections to more than 50 leading cloud providers. The service is designed to support secure, predictable connectivity while giving organisations greater flexibility across cloud environments.

As cloud becomes increasingly central to enterprise operations, connectivity can no longer be treated simply as an underlying network function. The ability to connect efficiently, securely and predictably to cloud resources is becoming an important part of how organisations design their digital infrastructure.■

क्लाउड से परेः कनेक्टिविटी एक रणनीतिक प्राथमिकता क्यों बन रही है?

क्लाउड के अपनाने से उद्यमों के संचालन के तरीके में बदलाव आया है, लेकिन जैसे वर्कलोड SaaS, IaaS और PaaS में स्थानांतरित हो रहे हैं, एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आ रहा हैः व्यावसाय क्लाउड से कितनी विश्वनीयता से जुड़ते हैं।

कई संगठनों के लिए, क्लाउड एक्सेस अभी भी पब्लिक इंटरनेट पर निर्भर करता है। हालांकि, इससे लोचशिलता और बड़ी पहुंच मिलती है, लेकिन इसमें अलग–अलग तरह की लेटेंसी, अनिश्चित प्रदर्शन और यूजर्स, नेटवर्क और क्लाउड प्लेटफॉर्म के बीच डेटा कैसे मूव करता है, इस पर सीमित विजिबिलिटी जैसी समस्यायें भी आ सकती हैं। बिजनेस के लिए जरूरी आवेदनों पर इन बातों का प्रोडक्टिविटी और यूजर अनुभव पर सीधा असर पड़ सकता है।

इसलिए, डायरेक्ट क्लाउड की ओर झुकाव बढ़ रहा है। एंटरप्राइज नेटवर्क और क्लाउड प्रदायकों के बीच निजी कनेक्शन बनाने से इंटरनेट पर होने वाले अनावश्यक उम्मीद कम हो सकते हैं और प्रदर्शन, लेटेंसी और उपलब्धता में ज्यादा भरोसेमंद नतीजे मिल सकते हैं। इससे संगठन को इस बात पर भी ज्यादा नियंत्रण मिल सकता है कि उनका जरूरी डेटा उनके डिजिटल संरचना में कैसे ट्रैवल करता है।

यह तब और भी जरूरी हो जाता है जब कंपनियां मल्टी क्लाउड रणनीतियां अपनाती हैं। कई क्लाउड प्रदायकों से अलग–अलग जुड़ने से नेटवर्क संरचना और संचालन में जटिलता आ सकती है। न्यूट्रल इंटरकनेक्शन प्लेटफॉर्म एक विकल्प देते हैं, जो एक कॉमन कनेक्टिविटी इकोसिस्टम के जरिए कई क्लाउड वातावरण तक पहुंच प्रदान करते हैं।

भारत का सबसे बड़ा इंटरकनेक्शन प्लेटफॉर्म, **DE-CIX India** (www.de-cix.in) अपनी डायरेक्ट क्लाउड कनेक्टिविटी **DirectCLOUD** के जरिए इस जरूरत को पूरा कर रहा है। यह सेवा कंपनियों को **50** से ज्यादा प्रमुख क्लाउड प्रदायकों के निजी और एसएलए–युक्त कनेक्शन बनाने की सुविधा देती है। इसे सुरक्षित और भरोसेमंद कनेक्टिविटी देने के साथ–साथ कंपनियों को क्लाउड वातावरण ज्यादा लोचशिलता देने के लिए डिजायन किया गया है।

जैसे–जैसे क्लाइड एंटरप्राइज के कामकाज के लिए ज्यादा जरूरी होता जा रहा है, कनेक्टिविटी को अब सिर्फ एक बुनियादी नेटवर्क फंक्शन नहीं माना जा सकता है। क्लाउड संसाधन से कुशलतापूर्वक, सुरक्षित रूप से और भरोसेमंद तरीके से जुड़ने की क्षमता, संगठनों के डिजिटल संरचना को डिजायन करने के तरीके का एक अहम हिस्सा बनती जा रही है।■